यूँ ही नहीं ऐसे खाटू में दीनो का मेला लगता है भजन लिरिक्स

यूँ ही नहीं ऐसे खाटू में,
दीनो का मेला लगता है,
जग छोड़े जिसे मेरा बाबा उसे,
पलकों पे बिठाये रखता है,
यूँ ही नहीं ऐसे खाटु में,
खाटु में, खाटु में, खाटु में।bd।

तर्ज – घूंघट की आड़ से।

हर सवालों को मिलता जवाब अपना,
आँख दर पे संजोती है ख्वाब अपना,
शब्दों में श्याम वर्णन बयां क्या करूँ,
इनकी करुणा तो है कल्पना से परे,
अंधकार को भी दर पे,
आके मिलती रौशनी, हो,
हारों बेचारों पे हरदम ही,
मेरा श्याम निगाहें रखता है,
जग छोड़े जिसे मेरा बाबा उसे,
पलकों पे बिठाये रखता है,
यूँ ही नहीं ऐसे खाटु में,
खाटु में, खाटु में, खाटु में।bd।

न्याय होता ये सच्ची अदालत है,
दीनो की श्याम करता हिफाज़त है,
सच्चे भावों भरी गर इबादत है,
पल में दु:ख ग़म से मिलती ज़मानत है,
आंसुओं को मिलती यहाँ,
खुशियों से भरी हंसी, हो,
सोता नहीं वो नसीबा जो,
इनकी कृपा से जगता है,
जग छोड़े जिसे मेरा बाबा उसे,
पलकों पे बिठाये रखता है,
यूँ ही नहीं ऐसे खाटु में,
खाटु में, खाटु में, खाटु में।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

उसकी उड़ाने क्या कोई रोके,
जिसको उड़ाए श्याम के झोंके,
जग की ज़रूरत उसको नहीं है,
रहता है जो मेरे श्याम का होके,
गिरता नहीं फिर से 'गोलू' जो,
बाबा के हाथों संभालता है,
जग छोड़े जिसे मेरा बाबा उसे,
पलकों पे बिठाये रखता है,
यूँ ही नहीं ऐसे खाटु में,
खाटु में, खाटु में, खाटु में।bd।

यूँ ही नहीं ऐसे खाटू में,
दीनो का मेला लगता है,
जग छोड़े जिसे मेरा बाबा उसे,
पलकों पे बिठाये रखता है,
यूँ ही नहीं ऐसे खाटु में,
खाटु में, खाटु में, खाटु में।bd।

Singer – Abhishek Nama

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com